



संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
जवाहर कला केन्द्र और एक्टर्स थिएटर एट राजस्थान
के संयुक्त तत्वावधान में

8वां राष्ट्रीय नाट्य समारोह 14-15 मई, 2026

राजस्थान रंग महोत्सव

आइये रंगमंच को आगे बढ़ाइये...

दिनांक : 14 मई 2026

हास्य नाटक : फ्लर्ट

कहानीकार : पद्मश्री, नरेन्द्र कोहली
निर्देशक : गगन मिश्रा, एसएनए अवॉर्ड, जयपुर

स्थान : रंगायन, जेकेके, जयपुर
समय : सायं 7.00 बजे से

दिनांक : 15 मई 2026

हास्य व्यंग नाटक : तार्तूफ

लेखक : मौलियर
निर्देशक : चिन्मय दास, रानावि. स्नातक, नई दिल्ली

स्थान : रंगायन, जेकेके, जयपुर
समय : सायं 7.00 बजे से

दिनांक : 15 मई 2026

तमाशा : गोपीचन्द भर्तृहरि

लेखक : बंशीधर भट्ट, दानिशरोमणि
निर्देशक : दिलीप भट्ट, तमाशा साधक, जयपुर

स्थान : कृष्णायन, जेकेके, जयपुर
समय : प्रातः 10.00 बजे से

दिनांक : 23 अप्रैल से 13 मई 2026 तक

अभिनय कार्यशाला

निर्देशक : डॉ. चन्द्रदीप हाड़ा, रंगमंच स्कॉलर, जयपुर

स्थान : रिहर्सल हॉल, जेकेके, जयपुर
समय : सुबह 11.00 से दोपहर 1.00 बजे तक

दिनांक : 14 एवं 15 मई 2026

**प्रदर्शनी
समारोह के निर्देशकों पर आधारित...**

स्थान : फोर, रंगायन, जेकेके, जयपुर
समय : सायं 06.00 बजे से

दिनांक : 15 मई 2026

**संगोष्ठी : एक रंगकर्मी से वार्ता...
श्री चिन्मय दास (रानावि.)**

स्थान : कृष्णायन, जेकेके, जयपुर
समय : दोपहर 11.30 बजे से

8वां राजरंगम् एक रंगयात्रा...



राजस्थान में रंगमंच के शैक्षणिक पक्षों को सहयोग करने हेतु राजरंगम-राजस्थान रंग महोत्सव हमारी संस्था एक्टर्स थिएटर एट राजस्थान द्वारा आयोजित किया जाता है। हर बार की तरह इस बार भी नवाचार करते हुए इस राष्ट्रीय स्तर के नाट्य समारोह में आधुनिक नाटकों के मंचन के साथ लोक नाटक और नुक्कड़ नाटकों को सम्मिलित किया गया है साथ ही अभिनय कार्यशाला, 1 संगोष्ठी और 1 चित्र प्रदर्शनी के आयोजन भी इस समारोह में किए गए हैं। राजस्थान का रंगमंच पल्लवित और पोषित हो तथा पूरे विश्व में लोकप्रिय हो यह प्रयास अनवरत जारी है। आईये रंगमंच को आगे बढ़ाईये...

राजस्थान के पर्यटन, कला, संस्कृति एवं पुरातत्व महत्व को ध्यान में रख कर वर्ष 2009 और 2011 में दूरदर्शन राजस्थान द्वारा बनाए गए यात्रावृत्तान्त डेजर्ट कॉलिंग की 73 कडियों में मुख्य अभिनेता के रूप में कार्य करने का मुझे अवसर प्राप्त हुआ था। वर्ष 2009 से 2025 तक यह यात्रावृत्तान्त दूरदर्शन के सभी हिन्दी चैनल्स के द्वारा भारत सहित 142 देशों में दिखाया गया है जो कि एक अद्वितीय कीर्तिमान है। इसके साथ ही राजस्थान रंगमंच के क्षेत्र में वर्ष 2011 में सम्पन्न हुए जूनियर फैलोशिप शोध कार्य, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से पुरस्कृत और राजस्थान विश्वविद्यालय के ललित कला संकाय से नाट्य कला और चित्रकला विषयों में वर्ष 2013 में पुरस्कृत हुए पीएच.डी. शोध कार्य के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने पर इस आयोजन की रूप-रेखा बनी थी।

वर्ष 2013 में प्रारम्भ हुआ यह आयोजन इस वर्ष 8वीं बार आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें अत्यंत गौरव की अनुभूति हो रही है। इस बार भी इस आयोजन को आपकी भरपूर सराहना प्राप्त होगी ऐसी हम कामना करते हैं...

डॉ. चन्द्रदीप हाडा
रंगमंच स्कॉलर व आयोजक





मुख्यमंत्री
राजस्थान



सन्देश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि, एक्टर्स थिएटर एट राजस्थान द्वारा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार और जवाहर कला केन्द्र, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में आठवें राजरंगम्—राजस्थान रंग महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर एक स्मारिका भी प्रकाशित की जा रही है।

रंगमंच मनोरंजन का साधन होने के साथ ही समाज का दर्पण भी है, जो मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक सरोकारों को जीवंत रूप में प्रस्तुत करता है। यह कला संवाद को प्रोत्साहित कर समाज में सकारात्मक बदलाव का मार्ग प्रशस्त करती है। 'राजरंगम्' जैसे आयोजन प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक परम्परा को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं तथा प्रतिभाओं को अपनी रचनात्मकता प्रदर्शित करने के अवसर उपलब्ध कराते हैं।

मुझे विश्वास है कि, इस महोत्सव के अर्न्तगत नाट्य प्रस्तुतियों के साथ संगोष्ठी, चित्र प्रदर्शनी, अभिनय कार्यशाला और नुक्कड़ नाटकों के आयोजन कला जगत के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होंगे।

मैं इस आयोजन की सफलता के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

(भजन लाल शर्मा)

दिया कुमारी
उप मुख्यमंत्री
Diya Kumari
Dy. Chief Minister



वित्त, सार्वजनिक निर्माण, पर्यटन, कला, साहित्य, संस्कृति और पुरातत्व,
महिला एवं बाल विकास, बाल अधिकारिता विभाग,
राजस्थान सरकार
Finance, PWD, Tourism, Art, Literature, Culture and
Archaeology, W&CD and Child rights Department
Government of Rajasthan



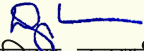
सन्देश

आठवें राजरंगम्—राजस्थान रंग महोत्सव के दिनांक 14 व 15 मई, 2026 को आयोजन के अवसर पर मैं आप सभी आयोजकों, कलाकारों एवं कला—प्रेमियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देती हूँ इस अवसर पर स्मारिका का प्रकाशन किया जाना सराहनीय प्रयास है।

रंगमंच केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज का दर्पण होता है, जो हमारे विचारों, संवेदनाओं और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रूप में प्रस्तुत करता है। राजस्थान की समृद्ध लोक परंपराएँ और आधुनिक रंगकर्म का समन्वय इस महोत्सव के माध्यम से जिस प्रकार अभिव्यक्त हो रहा है, वह अत्यंत सराहनीय है। जयपुर शहर में प्रतिष्ठित नाट्य समारोह के लगातार आयोजन पर हार्दिक बधाई।

इस राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में नाटकों के मंचन, संगोष्ठी, चित्र प्रदर्शनी, अभिनय कार्यशाला एवं नुक्कड़ नाटकों जैसे विविध आयामों का समावेश निश्चित रूप से युवा कलाकारों को नई दिशा देगा और प्रदेश के सांस्कृतिक परिवेश को और अधिक सशक्त बनाएगा। यह महोत्सव न केवल कलाकारों को मंच प्रदान करता है, बल्कि समाज में जागरूकता और संवेदनशीलता का संदेश भी प्रसारित करता है।

मुझे विश्वास है कि एक्टर्स थिएटर एट राजस्थान द्वारा आयोजित यह महोत्सव अपनी उत्कृष्टता की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा और देशभर में राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान को और सुदृढ़ करेगा। जानकारीयों से परिपूर्ण आपका स्मारिका प्रकाशन अपने उद्देश्यों को प्राप्त करें और यह आयोजन सफलता को प्राप्त करें इन्हीं मंगलकामनाओं के साथ एक बार पुनः बधाई और शुभकामनाएँ।


(दिया कुमारी)

डॉ. सतीश पूनियां
पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, राजस्थान
प्रदेश प्रभारी, हरियाणा
व पूर्व विधायक, अमेर



भारतीय जनता पार्टी
Bhartiy Janta Parti



सन्देश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि, एक्टर्स थिएटर एट राजस्थान द्वारा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार और जवाहर कला केन्द्र, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में आठवें राजरंगम—राजस्थान रंग महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

मुझे यह जान कर भी प्रसन्नता हो रही है कि, राजस्थान रंगमंच में शैक्षणिक वातावरण को सहयोग करने हेतु यह आयोजन वर्ष 2013 से जयपुर शहर में आयोजित किया जा रहा है। इस पुनीत और सराहनीय कार्य के लिए राजस्थान रंगमंच के टैगोर नेशनल स्कॉलर, रंगकर्मी, परियोजना निर्देशक डॉ. चन्द्रदीप हाड़ा के साथ समारोह के निर्देशकों, सभी कलाकारों और सहयोगियों को इस आयोजन की सफलता के लिए मैं हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ।

राजस्थान सहित पूरे देश में आप और आपका नाट्य दल इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए रंगमंच को आगे बढ़ाता रहे इन्हीं मंगल कामनाओं के साथ पूनः आप सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ।

(डॉ. सतीश पूनियां)

हास्य नाटक : फ्लर्ट

कहानीकार : पद्मश्री, नरेन्द्र कोहली की कहानी मालिनी पर आधारित
निर्देशक : गगन मिश्रा, एसएनए अवॉर्डि, जयपुर



दिनांक : 14 मई 2026

स्थान : रंगायन, जेकेके, जयपुर । समय : सायं 7.00 बजे से

कथासार : प्यार क्या है ? एक अभिव्यक्ति पर क्या उस प्यार को अभिव्यक्त करना जरूरी है । क्या बिना इजहार करे प्यार, प्यार नहीं होता । होता है ना । पर जिसे हम प्यार करते हैं उसे एहसास नहीं दिलाएंगे तो उसे कैसे पता लगेगा कि कोई उसे कितना चाहता है ? मतलब की प्यार का इजहार जरूरी है । मगर कैसे ? एक बड़ा कठिन प्रश्न है क्योंकि कुछ लोग खुल कर प्यार का इजहार करते हैं और कुछ लोग छुप छुप कर । कुछ लोग आंखों आंखों में तो कुछ लोग बातों बातों में । पर ये प्यार कैसा था ? जो ना खुला था ना छुपा था ना आंखों में था ना बातों में फिर भी प्यार था कहीं इसलिए तो लोग उसे फ्लर्ट नहीं कहते थे तो आइए देखते हैं इस नाटक फ्लर्ट में...

निर्देशकीय : कहानी का मंचन वर्तमान में लोकप्रिय माध्यम, लेकिन इस लोकप्रिय माध्यम के प्रदर्शन के लिए कुछ जरूरी चीजें उपलब्ध होनी आवश्यक हैं । अच्छी कहानी, उसके नाटक में परिवर्तित होने के गुण और परिवर्तन के बाद भी उस कहानी की ना बदलने वाली आत्मा । बहुत सी कहानी पढ़ने के बाद सुपरिचित कहानीकार स्व. पद्मश्री नरेन्द्र कोहली की कहानी 'मालिनी' में वो सभी गुण नाटकीय तत्वों के साथ मौजूद थे । कहानी के लेखक से बात की गई और उन्होंने इसके नाटक प्रस्तुत करने के लिए अपनी स्वीकृति प्रदान की । कहानी का नाट्य रूपांतरण किया गया । पूरी टीम ने निर्देशक द्वारा सौंपी जिम्मेदारी बखूबी निभाई और एक बेहतर प्रस्तुति आपके सामने प्रस्तुत करने की चेष्टा की ।

मंच पर : प्रियदर्शिनी मिश्रा, विशाल भट्ट, महमूद अली, अभिषेक झांकल, गगन मिश्रा

मंच परे - नाट्य रूपांतरण : विकास पारीक एवं फ्लर्ट टीम
डॉक्यूमेंटेशन : विशाल भट्ट
ध्वनि प्रभाव : कमल जांगिड
सेट : अभिषेक झांकल, महमूद अली, हरि वैष्णव, मृत्युंजय,
लाइट्स : हरि वैष्णव
कॉस्ट्यूम्स : प्रियदर्शिनी मिश्रा
निर्देशन : गगन मिश्रा
प्रस्तुति : क्यूरियो जयपुर



हास्य व्यंग नाटक तार्तूफ



लेखक : मौलियर

निर्देशक : चिन्मय दास, रानावि. स्नातक, नई दिल्ली

दिनांक : 15 मई 2026

स्थान : रंगायन, जेकेके, जयपुर । समय : सायं 7.00 बजे से

सारांश : 'तार्तूफ' एक प्रभावशाली व्यंग्यात्मक हास्य नाटक है, जो समाज में फैलते धार्मिक पाखंड, अंधविश्वास और झूठी नैतिकता पर तीखा कटाक्ष करता है। कहानी ओमनाथ नामक एक संपन्न व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती है, जो तार्तूफ नाम के व्यक्ति की कथित भक्ति और विनम्रता से इतना प्रभावित हो जाता है कि वह धीरे-धीरे अपने ही परिवार से दूर होने लगता है। तार्तूफ स्वयं को धर्म और आदर्शों का प्रतीक दिखाता है, लेकिन उसकी मौजूदगी परिवार के भीतर तनाव, असहमति और अविश्वास को जन्म देने लगती है। ओमनाथ का परिवार उसे सच समझाने की कोशिश करता है, परंतु उसकी अंधश्रद्धा उसे वास्तविकता देखने से रोक देती है। परिस्थितियाँ ऐसी बनती हैं जहाँ रिश्तों, विश्वास और परिवार की एकता की परीक्षा होने लगती है।

नाटक हास्य और व्यंग्य के माध्यम से दर्शाता है कि किस प्रकार झूठी छवि और मीठे शब्द लोगों को भ्रमित कर सकते हैं। साथ ही यह कहानी समाज को जागरूक करती है कि किसी भी व्यक्ति या विचार पर आँख बंद करके विश्वास करना कितना खतरनाक साबित हो सकता है। 'तार्तूफ' केवल एक मनोरंजक नाटक नहीं, बल्कि सोचने पर मजबूर करने वाला दर्पण है, जो हमें सच्चाई, विवेक और अपने निर्णयों के प्रति सजग रहने की सीख देता है।

मंच पर:

ओमनाथ	:	आनंद कुमार
तार्तूफ	:	चिन्मय मुनघाटे
कामिनी	:	चेतना दहिया
कमलेश	:	लक्ष्य सिंह
दीपांशु	:	अजय कुमार
ममता	:	अंकिता दे
दिया	:	निकिता यादव
पीताम्बरी और	:	साहिल यादव
चुन्नी चेला	:	
विकास और	:	सुहेल खान
राम भरोसे	:	
पुलिस इंस्पेक्टर	:	सृष्टि सिंह

मंच परे:

रूप-सज्जा	:	केशव गुप्ता
हारमोनियम	:	रवि शर्मा
ढोलक	:	दिलशाद खान
परिकल्पनाव निर्देशन	:	चिन्मय दास
प्रस्तुति	:	अभिनय भारती नाट्य संस्था



आभार...

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली। श्री भजन लाल शर्मा जी, मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार। श्रीमती दीया कुमारी जी, उपमुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार। डॉ. सतीश पूनिया जी, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, राजस्थान व प्रदेश प्रभारी, हरियाणा, भारतीय जनता पार्टी। श्री मनीष परीक, प्रदेश संयोजक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन प्रकोष्ठ, भाजपा, राजस्थान। जवाहर कला केन्द्र, जयपुर। अभिनय भारती नाट्य संस्था। दीपसिने प्रोडक्शन्स। एक्टर्स अकेडमी ऑफ राजस्थान। जयपुर प्रेस मीडिया। सुधी दर्शक।

तमाशा: गोपीचन्द भर्तृहरि

लेखक : बंशीधर भट्ट, दानिशिरोमणि
निर्देशक : दिलीप भट्ट, तमाशा साधक, जयपुर

दिनांक : 15 मई 2026

स्थान : कृष्णायन, जेकेके, जयपुर। समय : प्रातः 10.00 से 11.00 बजे तक



कथासार : जयपुर का तमाशा लोक नाट्य गोपीचन्द भर्तृहरि एक ऐतिहासिक आख्यान है, लोक कथा है। राजा गोपीचन्द अपने पिता के इकलौते पुत्र थे तथा एक बहिन जिसका नाम चन्द्रावल था। ये बंगाल प्रान्त के शासक थे, इनका राज्य सुदूर तक फैला हुआ था। इनके पिता का नाम त्रिलोकीचन्द तथा माता का नाम मैनावती था। इनका बाल्यकाल में ही विवाह हो गया था, इनकी पत्नी का नाम रानी पाटमदे था। एक दिन एक ब्राह्मण ज्योतिष इनकी माता के पास आया और बोला कि, तुम्हारे पुत्र की अल्पायु है, अतः इसे योगी बना दीजिए, जोग दिला दीजिए ताकि ये अपनी आयु को बढ़ा सके, अमर हो सके। इस प्रकार के वचन सुन कर माता मैनावती को बड़ा पश्चाताप हुआ, वो उदास रहने लगी, खाना-पीना सब छोड़ दिया। हमेशा बस बेटे के जोग की चिन्ता में बैचेन रहने लगी। माता की इस प्रकार की अवस्था को देख कर एक दिन राजा गोपीचन्द ने अपनी माता से चिन्ता का कारण पूछा और उसके अनुकूल चलने का वचन दिया। अपने पुत्र को इस प्रकार आज्ञाकारी जानकर माता ने अपने मन का मनोरथ कहा जिसे पुत्र ने ध्यान से सुना जिसमें जीवन उपदेश, गुरुदीक्षा, त्याग, बलिदान और भिक्षा, मन की शान्ति तथा माँ की आज्ञा को मानने की बात कही गई। यह पूरा आख्यान शास्त्रीय संगीत की रागों में समेटने का प्रयास है। लोक नाट्य परम्परा तमाशा जीवित रहे यही इस नाटक का उद्देश्य है।

मंच पर

सूत्रधार/राजा गोपीचन्द	:	दिलीप भट्ट (तमाशा साधक)
जलंधरनाथ	:	सचिन भट्ट
मैनावती (माता)	:	ईश्वर दत्त माथुर
बहन चन्द्रावल	:	जीवितेश शर्मा
रानी पाटमदे	:	हर्ष भट्ट, गोपेश भट्ट
गायन में सहभागी	:	ईश्वर दत्त माथुर, सचिन भट्ट, कुमकुम भट्ट, हर्ष भट्ट, गोपेश भट्ट
संगतकार (तबला)	:	शैलेन्द्र शर्मा
सारंगी/हारमोनियम	:	शेर मोहम्मद, मनोहर टांक, फिरदोस
अन्य	:	प्रदीप भट्ट, विजय लक्ष्मी भट्ट, निती भट्ट, विनय भट्ट, संजय साठे, रागिनी देवी भट्ट, अमन भट्ट, गोविन्द खत्री, गोपेश भट्ट
प्रस्तुति	:	परम्परा नाट्य समिति

स्वागत समिति

डॉ. चन्द्रदीप हाडा, श्री संजय व्यास, श्री लक्ष्य सिंह, श्री भूषण शर्मा, श्री देवेन्द्र सिंह शेखावत, श्री कृष्णकान्त शर्मा, श्री दिलीप सिंह, श्री प्रकाश चन्द्र सैनी श्री घनश्याम प्रजापत, सुश्री सुरुचि शर्मा, श्री अंकित सिंह, श्री नितेश कुमार, श्रीमती अंजु अग्रवाल, श्री अमरदीप सकरवाल, श्री रविकान्त शर्मा, श्री मुकेश राईका

